

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2009

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

### भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न कुण्डली अध्ययन कर बुध महादशा में बुध, चन्द्र व गुरु की अन्तरदशा पर चर्चा करें व फल बताएं।  
जन्म 12.05.1968, 20:50, दिल्ली, बुध महादशा 8.7.1991 से प्रारम्भ  
लग्न - वृश्चिक 22:18, सूर्य - मेष 28:32, चन्द्र - तुला 29:52,  
मंगल वृषभ 09:25, बुध - वृषभ 16:55, गुरु - सिंह 03:04, शुक्र - मेष 18:04, शनि - मीन 26:31, राहु - मीन 24:58 केतु - कन्या 24:58
2. प्रश्न 1 में दी कुण्डली के लिए  
क. योगिनी महादशा का प्रथम चक्र बनाएँ।  
ख. इस प्रथम चक्र के फल बताएँ। विशेष तौर पर कर्म क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
3. निम्न कुण्डली का अध्ययन करें व बताएं कि जातक की नौकरी कब लगी होगी। विवाह की क्या सम्भावनाएं हैं? किस अन्तर दशा व प्रत्यन्तर दशा में विवाह की सम्भावना है? कारण सहित बताएं।  
जन्म 18.4.1940, 6:30 प्रातः, चेन्नई, दशा शेष - शुक्र 7 व 0 मा 7 दि  
लग्न - मेष 13:10, सूर्य - मेष 04:09, चन्द्र - सिंह 21:59, मंगल - वृषभ 06:02, बुध - मेष 23:52, गुरु (व) - तुला 08:07, शुक्र - मेष 24:33,  
शनि - मेष 16:47, राहु - कुंभ 17:36, केतु - सिंह 17:36
4. निम्न जातक की कुण्डली का अध्ययन करें :-  
जन्म 15.7.1968, 03:40 प्रातः, इलाहाबाद, दशा शेष - गुरु 02 व 11 मा 01 दि  
लग्न - मिथुन 05:44, सूर्य - मिथुन 29:04, चन्द्र - मीन 00:54, मंगल - मिथुन 22:21, बुध - मिथुन 08:39, गुरु - सिंह 11:24, शुक्र - कर्क 05:49, शनि - मेष 01:40, राहु - मीन 22:43, केतु - कन्या 22:43  
विंशोत्तरी दशा का प्रयोग करते हुए बताएं :-  
क. कर्म क्षेत्र                      ख. वैवाहिक जीवन
5. घटनाओं की समयावधि की गणना में विंशोत्तरी दशा पद्धति के प्रयोग पर प्रकाश डालें।

### भाग-II (गोचर)

6. बृहस्पति ग्रह कुंभ राशि में 20 दिसम्बर 2009 को 00:15 बजे से संचार करेगा।  
क. एक जातक, जिसकी राशि तुला है, के लिए मूर्ति निर्णय ज्ञात करें।  
ख. इस गोचर का धनु राशि वाले जातक के लिए फलादेश करें।

7. उन कारणों की चर्चा करें जिनके आधार पर साढ़े साती के शुभ व अशुभ फल ज्ञात करते हैं।
8. क. एक जातक का जन्म नक्षत्र आर्द्रा है, इस जातक का विपत तारा ज्ञात करें।  
ख. मन्त्रेश्वर की फलदीपिका के अनुसार शनि के अंग फल व उनके फल बताएं।
9. द्वि ग्रह गोचर क्या है? विवाह व व्यवसाय के समयावधि बताने के लिए द्वि गोचर का किस प्रकार प्रयोग किया जाता है? एक एक उदाहरण भी दें।
10. किन्हीं दो का उत्तर दें :-  
क. कक्षा क्या हैं? समझाएं।  
ख. आर्द्रा जन्म नक्षत्र वाले जातक के लिए चन्द्रमा की लत्ता स्थिति क्या होगी?  
ग. सप्त शलाका चक्र के फलादेश में प्रयोग आने वाली मुख्य बातें बताएं।